अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे, अमेरिकी ओपन से करेंगे वापसी

सिनसिनाटी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज 13 अगस्त से शुरु हो रहे सिनसिनाटी ओपन से बाहर रहेंगे। अल्कराज ने ये फैसला अब तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण उठाया है। अल्काराज अभी तक अपनी दाईं कलाई की पुरानी चोट से नहीं उबर पाये हैं। अब वह अमेरिकी ओपन से ही वापसी करेंगे। सिनसिनाटी ओपन ओपन को अमेरिकी ओपन से पहले अभ्यास के लिए एक अच्छा टूर्नामेंट माना जाता है जिससे अब वह वंचित रह जाएंगे।

अल्काराज की यह चोट अप्रैल से ही उन्हें परेशान कर रही है और बावजूद इसके कि वह कुछ समय से कोर्ट पर अभ्यास करते दिख रहे थे, उनकी फिटनेस इस महत्वपूर्ण हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट सिनसिनाटी ओपन के लिए पर्याप्त नहीं पायी गई। इस खिलाड़ी ने इस साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें विंबलडन खिताब के साथ ही विश्व के नंबर एक स्थान पर पहुंचना शामिल है।

गौरतलब है कि सिनसिनाटी ओपन, जिसे वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एटीपी मास्टर्स 1000 श्रेणी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह अमेरिकी ओपन से ठीक पहले आयोजित होता है और खिलाड़ियों को न्यूयार्क में होने वाले अंतिम ग्रैंड स्लैम के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का अच्छा अवसर देता है। अल्काराज के लिए, यह टूर्नामेंट पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने और हार्ड कोर्ट पर अपनी लय वापस पाने का एक सुनहरा मौका था, जो अब उन्होंने खो दिया है।

टूर्नामेंट निदेशक बाब मोरान ने अल्काराज के इस फैसले पर निराशा व्यक्त की लेकिन उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

अगरकर के नाम है दर्ज हैं किंग पेयर जैसा दुर्लभ रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर आजकल अपने चयन संबंधी फैसलों को लेकर सुर्ख़ियों में हैं। अगरकर अपने समय के एक अच्छे आलराउंडर माने जाते रहे है हालांकि उनके नाम एक ऐसा अनचाह रिकार्ड किंग पेयर भी दर्ज है। किंग पेयर रिकार्ड बेहद दुर्लभ माना जाता है और कुछ ही खिलाड़ियों से जुड़ा है।किंग पेयर क्रिकेट की दुनिया का एक ऐसा तकनीकी शब्द है जो टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के लिए सबसे शर्मनाक पलों में से एक को दिखात है। किंग पेयर उस बल्लेबाज को दिया जाता है जो किसी एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपनी पहली ही गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट (गोल्डन डक) हो जाये। ये इसलिए बेहद दुर्लभ माना जाता है, क्योंकि एक ही मैच में दो बार पहली गेंद पर शून्य पर कुछ ही खिलाड़ी आउट हुए हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के लिए हतोत्साहित करने वाला अनुभव होता है। यह इस बात का प्रतीक है कि बल्लेबाज दोनों बार अपनी टीम के लिए खाता भी नहीं खोल पाया। गौरतलब है कि अगरकर के साथ यह घटना साल 1999 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेले गए एक टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। तब उस मैच में अगरकर जब भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी करने उतरे, तो दोनों ही पारियों में वह पहली गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। इससे उनके नाम किंग पेयर जैसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया। यह घटना उनके करियर के उन पलों में से एक है, जिसे कोई भी पेशेवर क्रिकेटर याद नहीं रखना चाहेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ उत्तराखंड के सबसे बड़े आयकरदाता बने, रिकार्ड 723 करोड़ 84 लाख रुपये दिये

देहरादून। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उत्तराखंड में सबसे बड़े आयकरदाता के रुप में सामने आये हैं। ऋषभ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकार्ड 23 करोड़ 84 लाख रुपये आयकर दिया। ऋषभ की कुल कमाई करीब 120-150 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

हालांकि इस बारे में कोई पक्का प्रमाण नहीं है पर उनकी मैच फीस, आईपीएल और बीसीसीआई अनुबंध के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उनकी आय के कई स्रोत हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से उन्हें काफी बड़ी राशि मिलती है। दिपिटल्स ने उन्हें 16 करोड़ रुपये पर रखा था। इसके अलावा, वह बीसीसीआई के केन्द्रीय अुनबंध में ग्रेड बी में हैं, जिसके लिए उन्हें सालाना तीन करोड़ रुपये मिलते हैं। भारतीय टीम से भी उन्हें मैच फीस के तौर पर प्रति टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये और प्रति एकदिवसीय के लिए छह लाख रुपये मिलते । इसके अलावा विज्ञापनों और ब्रांड शूट और एंडोर्समेंट से भी उन्हें मोटी कमाई होती है। एक ब्रांड शूट के लिए वह लगभग 2.5 करोड़ रुपये प्रति दिन और दो दिन के इवेंट के लिए 4.5-4.75 करोड़ रुपये लेते हैं। एडिडास, ड्रीम 11, बोट, जेएसडब्ल्यू जैसी कई बड़ी कंपनियों के साथ उनके ब्रांड एंडोर्समेंट हैं जिससे उन्हें सालाना 8-15 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर उनके करोड़ों फालोअर्स हैं। इसमें पोस्ट, इसके अलावा उनके पास दिल्ली से लेकर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून और रुड़की तक में आलीशान घर हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। कारों की बात करें ते उनके पास 1.32 करोड़ रुपये की आडी ए8, लगभग 2 करोड़ रुपये की फोर्ड मस्टैंग और लगभग 2 करोड़ रुपये की मर्सिडीज-बेंज जीएलई जैसी लग्जरी कारें भी हैं। इसके अलावा वह वर्ल्ड पिकलबाल लीग की एक टीम के मालिक भी है।

दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप में नजर आयेंगे दिग्गज सितारे, 15 से 18 अक्टूबर तक होगा आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डालर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य   अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलराय के अलावा गत चैम्पियन टामी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फाक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे।

पाकिस्तान टीम डब्लयूटीसी अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंची

लाहौर। पाकिस्तान की वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक तालिका में भी बदलाव आया है। इस जीत के साथ ही पाक टीम डब्लयूटीसी अंक तालिका में वेस्टइंडीज की जगह पर आठवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पहले वह अंतिम स्थान पर थी। यह पाकिस्तान की जुलाई 2023 के बाद पहली विदेशी टेस्ट जीत है, जो उनकी पिछली इस जीत से पाक के अंक प्रतिशत (पीसीटी) 22.22 तक पहुंच गये हैं। वहीं वेस्टइंडीज अब 20.83 पीसीटी अंकों के साथ नौवें स्थान पर फिसल गया है। इस जीत से पाक टेस्ट टीम डब्लयूटीसी की दौड़ में बनी हुई है। डब्लयूटीसी की ताजा अंकतालिका को देखें तो आस्ट्रेलियाई टीम 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ ही शीर्ष पर बनी हुई है। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका (75.00 पीसीटी) के साथ ही दूसरे और न्यूजीलैंड (72.22 पीसीटी) के साथ ही तीसरे स्थान पर है। वहीं बांग्लादेश 58.33 फीसदी अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। भारतीय टीम 48.15 फीसदी अंकों के साथ ही पांचवें नंबर पर है। श्रीलंका 41.67 फीसदी अंक के साथ छठे और इंग्लैंड 24.36 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला हाकी टीम घोषित, शिलेइमा चानू कप्तान

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 के लिए भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में खेला जाएगा। टीम में 18 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक (अल्टरनेट) के रूप में रखा गया है।

टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेइमा चानू करेंगी। मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम ने पिछले कुछ महीनों से गहन तैयारी की है। इस वर्ष टीम की कमान संभालने वाले व्हाइट की देखरेख में खिलाड़ियों ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय जूनियर महिला टीम हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के एक्सपोजर दौरे से लौटी है। इस दौरे में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव मिला, जिससे जूनियर एशिया कप की तैयारियों को और मजबूती मिली।

कोच टिम व्हाइट ने टीम की घोषणा पर कहा, मुझे गर्व है कि इन युवा खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के दम पर टीम में जगह बनाई है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपने खेल के हर पहलू में सुधार के लिए अथक मेहनत की है और मैंने उन्हें व्यक्तिगत और टीम दोनों रूपों में आगे बढ़ते देखा है।

उन्होंने आगे कहा, यह टूर्नामेंट एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने और बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। हम हर मैच में आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ उतरेंगे। मुझे विश्वास है कि इस टीम में देश को गौरवान्वित करने की प्रतिभा और जज्बा है।

टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष जूनियर टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का कार्यक्रम और पूल का ऐलान बाद में किया जाएगा।

भारतीय टीम:

गोलकीपर: निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज

डिफेंडर: पूजा साहू, सुप्रिया, पूजा मलिक, पार्वती टोपनो, मधु

मिडफील्डर: खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, बिनिमा धन, रोशनी ऐंद, गीता यादव

फारवर्ड: लालरिनपुई, पूर्णिमा यादव, सुखवीर कौर, कृष्णा शर्मा, सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार

वैकल्पिक खिलाड़ी: एफ. लालबियाक्सियामी, तनुश्री दिनेश कड़ू।

17 अगस्त से शुरु होगी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप, सिंधु को महिला एकल में नौवीं वरीयता मिली

नई दिल्ली। 17 से 23 अगस्त तक यहां खेली जाने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पी वी सिंधु को महिला एकल वर्ग में नौवीं वरीयता मिली है। वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता प्रदान की गई है। भारत को सिंधु और सात्विकसाइराज, चिराग की जोड़ी से पदक जीतने की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय दल इस बार विश्व चैंपियनशिप में एक मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में है। सिंधु ने हाल ही में जापान ओपन टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही ओलंपिक में भारत के लिए दो बार पदक भी जीता है। दूसरी ओर, पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी भी अच्छी लय में है। इस जोड़ी ने साल 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और अब विश्व चैंपियनशिप में भी इतिहास रचना चाहती है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को 14वीं वरीयता दी गयी है। ये उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है। मिश्रित युगल में भी भारत की ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 15वीं वरीयता दी गई है। भारत ने इस चैम्पियनशिप के सभी पांचों वर्गों में दो-दो प्रविष्टियां भेजी हैं, जो देश में बैडमिंटन की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को दर्शाता है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वरीयता की बात करें तो, पुरुष एकल में चीन के विश्व चैम्पियन शि युकी को शीर्ष वरीयता मिली है, जबकि महिला एकल में दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी आन से यंग को पहली वरीयता दी गई है। जापान की मौजूदा महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी वरीयता मिली है।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में, अब रक्षिता रामराज से होगी भिड़ंत

आसन (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी ने हमवतन श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज से होगा, जिन्होंने जापान की मानामी सुइजू को 22-20, 21-10 से मात दी।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली 17 वर्षीय तन्वी ने एक बार फिर अपने जुझारू खेल का परिचय दिया। इस महीने भारत में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले उन्होंने लगातार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपनी दावेदारी मजबूत की।

आल इंडिया मुकाबले के पहले गेम में तन्वी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह शुरुआती अंकों में पिछड़ गईं। हालांकि, तेज मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने शानदार वापसी की और लगातार महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रियांशी वालिशेट्टी ने दमदार वापसी की। उन्होंने मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली और लगातार आक्रामक खेल दिखाया। तन्वी ने बीच में अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन श्रियांशी ने संयम बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से ही बढ़त बनाई और पूरे गेम में श्रियांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज तन्वी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखते हुए तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

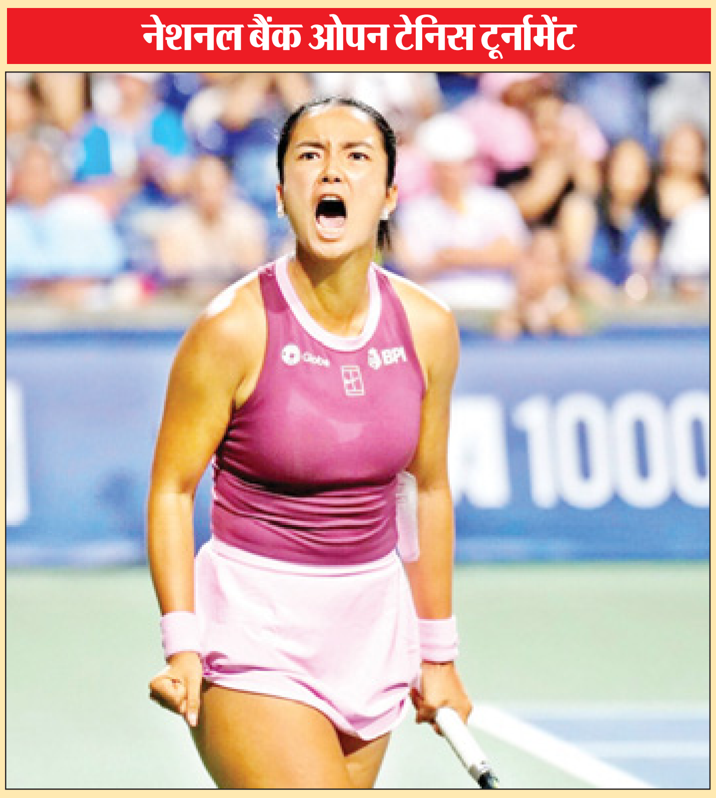

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अंक मिलने पर उत्साहित फिलीपींस की एलेकजेंड्रा इयाला।

दलीप ट्राफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम के लिए दावेदारी पेश करेंगे रविचंद्रन स्मरण

बेंगलुरु

कर्नाटक के बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण अब दलीप ट्राफी में साउथ जोन की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश करना चाहेंगे। स्मरण का लक्ष्य भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलने का है, और वे इसे पाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। स्मरण ने पिछले रणजी ट्राफी सत्र में 950 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखायी थी। घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना सभी बल्लेबाजों पर प्रयास रहता है पर कई बार इससे बल्लेबाज पर दबाव भी आ जाता है।

उसी को लेकर स्मरण ने कहा कि वह उम्मीदे के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और न ही किसी प्रकार का दबाव अपने पर लेते है। मेरा पूरा ध्यान केवल ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर रहता है। वे सत्र शुरू होने से पहले अच्छी तरह अभ्यास और प्रशिक्षण को जरुरी मानते हैं, जिससे सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतरा जा सके।

गौरतलब है कि स्मरण की अच्छी बल्लेबाजी से कर्नाटक पिछले सत्र में रणजी ट्राफी के फाइनल तक पहुंची थी। वहीं अब वह दलीप ट्राफी टूर्नामेंट को अपने लिए बेहद अहम मानते हैं क्योंकि यहां बनाए गए रन भविष्य के लिए राह बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है। उनका मानना है कि अगर वे इसमें अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं, तो यह पूरे सत्र के लिए एक शानदार शुरुआत साबित होगी। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहने के बाद, करीब छह महीने तक लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहना और फिर अप्रैल-मई में सफेद गेंद खेलने के बाद दोबारा लाल गेंद से खेलन एक चुनौती रही है, जिसे स्मरण ने बखूबी स्वीकार किया है।

इस युवा बल्लेबाज ने अपनी तकनीक पर लगातार काम किया है, खासकर स्पिन गेंदबाजी का सामना करने पर। घरेलू क्रिकेट में देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग पिचों और हालातों में अच्छे स्पिनरों के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती है, जिसके लिए मजबूत तकनीक की आवश्यकता होती है। स्मरण कहते हैं, स्पिनरों की लय बिगाड़ने के लिए स्वीप और रिवर्स स्वीप जैसे शाट खेलने आने चाहिए। वे सत्र से पहले इन पहलुओं पर लगातार काम कर रहे हैं, जिससे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए वे पूरी तरह तैयार रहें। लाल गेंद क्रिकेट में अपनी सफलता के साथ-साथ, स्मरण सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उतने ही प्रभावी रहे हैं। टी-20 में उनका स्ट्राइक रेट 155 है, जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका प्रभावशाली औसत 50.33 है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

डीपीएल : नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली

कप्तान सार्थक रंजन की विस्फोटक 95 रन की पारी और यश भाटिया के नाबाद अर्धशतक की बदौलत नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नार्थ दिल्ली ने 172 रन का लक्ष्य चार ओवर शेष रहते हासिल कर लिया।

सार्थक रंजन ने खेली 95 रनों की शानदार पारी

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाए। टीम की ओर से सुजल सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल रहे।

राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, लेकिन सुजल ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से विकास दीक्षित सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 19 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक गेंदबाजी करते हुए विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने शुरुआती ओवरों में ही 39 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान सार्थक रंजन और यश भाटिया ने तीसरे विकेट के लिए 113 रन की शानदार साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

सार्थक रंजन ने 50 गेंदों पर 95 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और आठ छक्के जड़े। 14वें ओवर में उन्होंने सिमरजीत सिंह के एक ही ओवर में 29 रन बटोरकर मैच पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया।

हालांकि वह शतक से केवल पांच रन दूर रह गए, लेकिन तब तक नार्थ दिल्ली की जीत लगभग तय हो चुकी थी।

सार्थक के आउट होने के बाद भारत सिंधवानी भी जल्दी पवेलियन लौट गए, लेकिन यश भाटिया ने संयम बनाए रखा। उन्होंने नाबाद अर्धशतक जमाते हुए टीम को बिना किसी और झटके के लक्ष्य तक पहुंचाया और नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को छह विकेट से यादगार जीत दिलाई।